National Population Policy.

The Group has submitted its Report on 24th May, 1994.

नई गर्भास्त्रावकारी गोली आर०यू०-486 की विशेषताएं

7724. **श्री अजीत जोगी:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह नई गर्भस्त्रावकारी गोली आर०यू०-486 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है;

(ख) यदि हां,तो इसकी मुख्य विशेषताएं क्या है और यह गोली परिवार नियोजन की एक सुरक्षित विधि के रूप में अपनाने के लिए किस हद तक प्रभावी है और इसके दुष्प्रभावों से किस सीमा तक बचा जा सकता है;

(ग) क्या कुछ महिला संगठनों ने इस गोली का उपयोग किए जाने की आलोचना की है; और

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) (क) और (ख) भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद प्रोस्टाग्लैंडिन के साथ आर० यू०-486 के चरण II नैदानिक परीक्षण पूरे कर लिए हैं। यह मिश्रण प्रभावी गर्भस्त्रावकारी पाया गया है।

(ग) और (घ) जी हां। इस गोली का गर्भपात के लिए उपयोग करने के बारे में तीसरे चरण में नैदानिक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद ही विचार किया जा सकेगा।

मधुमेह के उपचार में मेथी के बीजों के उपयोग संबंधी अध्ययन

7725. **श्री अजीत जोगी:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद ने वर्ष 1990 के दौरान मधुमेह पर नियंत्रण करने के लिए मेथी के बीजों की उपयोगिता का अध्ययन करने के लिए एक प्रोजेक्ट आरंभ किया था;

(ख) क्या इस अध्ययन से यह पता चला है कि मधुमेह की शुरूआत वाले रोगियों, अर्थात् इंसुलिन पर निर्भर रहने वाले व्यक्तियों के उपचार में मेथी के बीज प्रभावी सिद्ध हुए हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए मेथी के बीजों का व्यावसायिक संदोहन करने के संबंध में कोई अन्य अध्ययन किया गया है;

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो अध्ययन के परिणामों पर आगे कार्रवाई करने के संबंध में कोई कदम न उठाने के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द): (क) और (ख) जी हां। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने सूचित किया है कि राष्ट्रीय पोषण संस्थान द्वारा किये गये अध्ययन से, अन्य बातों के साथ-साथ निष्कर्ष निकला है कि दैनिक आहार में मेथी के बीज (फेनुग्रीक) शामिल करने से टाइप एक श्रेणी सहित मधुमेह के उपचार में एक प्रभावकारी सहायक चिकित्सा हो सकती है। वैसे, यह अवयव औषधियों का स्थान नहीं ले सकता।

(ग) से (ङ) मेथी कड़वी है और अतः इसका 25-100 ग्राम/प्रतिदिन, जिसके दैनिक सेवन करने की मात्रा की सिफारिश की जाती है, सेवन करना कठिन है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने मेथी की इस मात्रा का सेवन करना संभव बनाने के लिए कई नुस्खे तैयार किए हैं।

Officers in Deputation to WHO

7726. SHRI V. RAJAN CHELLAPPA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the number of Central Government servants presently on deputation to the World Health Organisation;

(b) whether such officials are eligible for pension;

(c) whether Government propose to discontinue this system of deputation to WHO; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND) (a) None.

(b) to (d) Do not arise.